

भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

02.04.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 5136 का उत्तर

स्थायी धृति क्षेत्रों का विकास

5136. श्री आशीष दुबे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) स्थायी धृति क्षेत्रों (पीएचए) के विकास के लिए चयनित साठ रेलवे स्टेशनों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) उक्त स्थायी धृति क्षेत्रों का कार्य पूरा होने की अनुमानित समय-सीमा क्या है;
- (ग) क्या उक्त पहल को अंतिम रूप देने से पहले कोई व्यवहार्यता अध्ययन या प्रायोगिक परियोजनाओं से संबंधित कार्य पूरा किया गया था और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) उक्त स्थायी धृति क्षेत्रों के लिए योजनाबद्ध किए गए टिकटिंग जोनों, वार्ड-फार्ड और फूड स्टॉलों सहित सुविधाओं और सुख-सुविधाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्वेनी वैष्णव)

- (क) से (घ): भारतीय रेल स्टेशन की आवश्यकताओं के आधार पर समय-समय पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपाय करती है। त्यौहार/मेला अवधियों के दौरान स्टेशनों पर यात्रियों की अत्यधिक भीड़ को संभालने के लिए रेलवे द्वारा सीमित पहुंच नियंत्रण प्रणाली का प्रयोग किया गया है जहाँ ऐसे समय के दौरान, स्टेशनों के बाहर

होल्डिंग क्षेत्र बनाए गए थे और यात्रियों को केवल तभी अनुमति दी गई जब गाड़ी प्लेटफॉर्म पर आ गई थी।

इसके अलावा, स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए, रेलवे द्वारा निम्नलिखित निर्णय लिए गए हैं:-

1. सभी क्षेत्रीय रेलों में, 60 स्टेशनों पर स्थायी होल्डिंग क्षेत्र:

- i. 2024 के त्यौहारों के दौरान, स्टेशनों के बाहर होल्डिंग क्षेत्र बनाए गए थे। इन प्रतीक्षालयों के कारण सूरत, उधना, पटना और नई दिल्ली में यात्रियों की भारी भीड़ को संभाला जा सका। यात्रियों को केवल तब अनुमति दी गई जब गाड़ी प्लेटफॉर्म पर आ चुकी थी।
- ii. महाकुंभ के दौरान प्रयाग क्षेत्र के नौ स्टेशनों पर इसी तरह की व्यवस्था की गई थी।
- iii. इन स्टेशनों पर प्राप्त अनुभव के आधार पर, देश भर में 60 स्टेशनों पर, स्टेशन के बाहर जहां समय-समय पर अत्यधिक भीड़ होती है, वहां स्थायी प्रतीक्षालय बनाने का निर्णय लिया गया है।
- iv. नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और गाज़ियाबाद स्टेशनों पर प्रायोगिक परियोजनाएँ शुरू हो गई हैं। प्रायोगिक परियोजनाओं के पूरा होने के पश्चात् और अधिक स्टेशनों का चयन किया जाएगा।
- v. इस अवधारणा के अनुसार, अचानक बढ़ी भीड़ को प्रतीक्षा क्षेत्र के भीतर नियंत्रित किया जाएगा। यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति केवल तब दी जाएगी जब गाड़ियां प्लेटफॉर्म पर पहुंच जाएंगी। इससे स्टेशनों पर भीड़ कम होगी।

2. पहुंच नियंत्रण:

- i. 60 स्टेशनों पर कंप्लीट एक्सेस कंट्रोल की शुरुआत की जाएगी।
- ii. पुष्टिशुदा आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर सीधे एक्सेस दिया जाएगा।
- iii. बिना टिकट या प्रतीक्षा सूची टिकट वाले यात्री बाहर बनाए गए प्रतीक्षा क्षेत्र में इंतजार करेंगे।
- iv. सभी अनधिकृत एंट्री प्वाइंट को सील कर दिया जाएगा।

3. चौड़े फुट ओवर ब्रिज:

- i. 12 मीटर चौड़े (40 फीट) और 6 मीटर चौड़े (20 फीट) मानक पैदल पार पुल के दो नए डिज़ाइन विकसित किए गए हैं। ऐप वाले ये चौड़े फुट ओवर ब्रिज महाकुंभ के दौरान भीड़ संभालने में बहुत प्रभावी थे। ये नए मानक वाले चौड़े फुट ओवर ब्रिज सभी स्टेशनों पर स्थापित किए जाएंगे।

4. कैमरे:

- i. महाकुंभ के दौरान भीड़ संभालने में कैमरों की बड़ी भूमिका रही। सभी स्टेशनों और आस-पास के क्षेत्रों में गहन निगरानी के लिए बड़ी संख्या में कैमरे लगाए जाएंगे।

5. वार रूम:

- i. बड़े स्टेशनों पर वार रूम विकसित किए जाएंगे। भीड़ की स्थिति के दौरान सभी विभागों के अधिकारी वार रूम में काम करेंगे।

6. नई पीढ़ी के संचार उपकरण:

- i. भारी भीड़ वाले सभी स्टेशनों पर वॉकी-टॉकी, घोषणा प्रणाली, कॉलिंग प्रणाली जैसे नवीनतम डिज़ाइन के डिजिटल संचार उपकरण लगाएं जाएंगे।

7. नए डिज़ाइन वाले आईडी कार्ड:

- i. सभी कर्मचारियों और सेवा प्रदाताओं को एक नए डिज़ाइन का पहचान पत्र दिया जाएगा ताकि केवल अधिकृत व्यक्ति ही स्टेशन में प्रवेश कर सकें।

8. कर्मचारियों के लिए नए डिज़ाइन की वर्दी:

- i. सभी सदस्य कर्मचारियों को नए डिज़ाइन की वर्दियां दी जाएंगी ताकि उन्हें संकट की स्थिति में आसानी से पहचाना जा सके।

9. स्टेशन निदेशक पद को अपग्रेड करना:

- i. सभी प्रमुख स्टेशनों पर एक वरिष्ठ अधिकारी को स्टेशन निदेशक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। सभी अन्य विभाग स्टेशन निदेशक को रिपोर्ट करेंगे।
- ii. स्टेशन निदेशक को वित्तीय शक्तियां दी जाएंगी ताकि वह स्टेशन सुधार के लिए तत्काल निर्णय ले सकें।

10. क्षमता के अनुसार टिकटों की बिक्री:

- i. स्टेशन निदेशक को स्टेशन की क्षमता और उपलब्ध गाड़ियों के अनुसार टिकटों की बिक्री को नियंत्रित करने का अधिकार होगा।

इसके अतिरिक्त, सुरक्षा व्यवस्था और यात्रियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने के लिए, सभी हितधारकों को शामिल करके स्टेशन विशेष योजनाएँ बनाई जाती हैं, जिनमें राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), स्थानीय पुलिस और स्थानीय नागरिक प्रशासन शामिल होते हैं और तदनुसार यात्रियों के आगमन प्रबंधन संबंधी कार्रवाई की जाती है।

महत्वपूर्ण गाड़ियों में बिना किसी परेशानी के चढ़ने के लिए प्रारंभिक स्टेशनों पर कतार प्रणाली बनाए रखी जाती है।

भारी भीड़ के दौरान, भगदड़ जैसी स्थिति से बचने और यात्रियों को वास्तविक समय पर सहायता प्रदान करने के लिए राजकीय रेलवे पुलिस और रेल सुरक्षा बल कर्मचारियों को फुट ओवर ब्रिज पर भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए तैनात किया जाता है। आसूचना इकाइयों (सीआईबी/एसआईबी) और सादे कपड़ों में कर्मचारियों को भीड़ के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए तैनात किया जाता है और उसके अनुसार राजकीय रेलवे पुलिस/पुलिस की सहभागिता से व्यवस्थाएं की गई थी।

अत्यधिक भीड़-भाड़ के दौरान, जब यात्रियों की भारी आवाजाही की संभावना होती है, जो स्टेशन पर बुजुर्ग, अशिक्षित और महिला यात्रियों की सहायता के लिए आए हैं और जो रेलवे स्टेशनों पर स्वयं की देखभाल करने की स्थिति में नहीं हैं, को छोड़कर क्षेत्रीय रेलों को प्लेटफॉर्म टिकट जारी करने पर रोक लगाकर स्टेशनों पर प्रवेश प्रतिबंधित करने के लिए अधिकृत किया गया है।

रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं की व्यवस्था और उन्नयन करना एक सतत् और निरंतर प्रक्रिया है। भारतीय रेल स्टेशन की आवश्यकताओं के आधार पर समय-समय पर भीड़ से निपटने के लिए विभिन्न उपाय करती है। अत्यधिक भीड़ को संभालने के लिए कई उपायों में पहुंच नियंत्रण, टिकटों की जांच, सीसीटीवी कैमरे, वॉर रूम, घोषणा प्रणाली में सुधार, डिजिटल संचार आदि शामिल हैं, जो सतत् और निरंतर प्रक्रिया हैं।
